❶

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

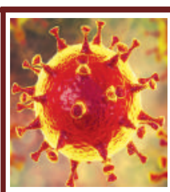

कोरोना वायरस संक्रमण
सावधान रहें – सुरक्षित रहें
सरकार के निर्देशों का पालन करें
स्वयं बचें – परिवार बचाएं– देश बचाएं

वर्ष 43, अंक 24 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 11 मई, 2020 से रविवार 17 मई, 2020
विक्रमी सम्वत् 2077 सृष्टि सम्वत् 1960853121
दयानन्दाब्द : 197 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 10
दूरभाष: 23360150 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

हर घर यज्ञ – हर घर यज्ञ हर घर यज्ञ – हर घर यज्ञ हर घर यज्ञ – हर घर यज्ञ

भारतीय वैदिक संस्कृति 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया' की उदात्त परोपकारी भावनाओं के साथ

कोरोना महामारी से उत्पन्न संकट की घड़ी में आर्य समाज ने रचा एक नया इतिहास

सातों महाद्वीपों के 36 से अधिक देशों के लाखों परिवारों ने किया यज्ञ

हर वर्ग – हर जाति – हर आयु के लोगों ने किया यज्ञ

आर्य समाज एक परोपकारी संगठन है। सारे संसार और देश के सामने कोरोना जैसी जानलेवा महामारी के भयंकर विनाशकारी तांडव को देखते हुए आर्य समाज ने जहां एक तरफ पूरे भारत में और दिल्ली में विभन्न स्थानों पर महीने भर से ज्यादा लाखों भूखे-प्यासे लोगों को भोजन-राशन वितरण रूपी यज्ञ चलाया वहीं दूसरी तरफ इस अदृश्य शत्रु कोरोना से उत्पन्न हुई समाज में निराशा, उदासी, हतासा, चिंता, भय, तनाव और नकारात्मक वातावरण को दूर करने तथा पर्यावरण शुद्धि के लिए 3 मई 2020 को प्रातःकाल 9:30 बजे विश्व के लाखों घरों में एक साथ एक समय पर यज्ञ करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस वैश्विक कल्याण यज्ञ का आयोजन आर्य समाज की शिरोमणि सभा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से किया गया था। सभा के प्रधान श्री सुरेश चंद्र आर्य जी ने कोरोना के कहर को देखते हुए भारत के कोने कोने में और विश्व के सभी देशों में आर्य समाज मन्दिरों, शैक्षिणिक संस्थाओं, विद्यालयों, गुरुकुलों, कन्या गुरुकुलों और समस्त आर्य सेवा प्रतिष्ठानों को संबोधित करते हुए आहवान किया कि इस संकट की घड़ी में जब कोरोना मौत का रूप बनकर मानवता को तहस-नहस कर रहा है। अब तक(3 मई से) पहले 200000 से भी ज्यादा लोग मौत का शिकार हो गए हैं और इस महामारी की कोई औषधि, दवाई अब तक तैयार नहीं हुई है। तो ऐसे में आर्य समाज को आगे आना चाहिए और विश्व कल्याण के लिए घर-घर यज्ञ, हर घर यज्ञ करना चाहिए।

– शेष पृष्ठ 2 से 8 पर

सार्वदेशिक सभा के आह्वान पर 3 मई, 2020 को यज्ञ करते हुए महामहिम राज्यपाल श्रीगंगा प्रसाद जी, पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी, योगगुरु स्वामी रामदेव जी

यज्ञ करते हुए सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य, सांसद श्री सत्यपाल सिंह जी, सांसद स्वामी सुमेधानन्द जी एवं दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी

जूम एप के माध्यम से आर्य संदेश टी वी चैनल पर लाइव के साथ करें : दैनिक और साप्ताहिक यज्ञ एवं सत्संग

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की नई पहल
सर्च करें- www.utube.com/aryasandeshtv
अपने वीडियो 7428894010 पर व्हाट्सएप्प करें

आर्य बन्धुओ,

जैसा कि आप सभी जानते हैं वर्तमान परिस्थितियों में लॉकडाउन के कारण हमारे आर्य समाज मन्दिरों में किसी भी प्रकार की गतिविधियां संभव नहीं हो पा रही हैं। केवल हमारे आर्य समाज के आचार्य पुरोहित और सेवक ही दैनिक यज्ञ की गतिविधि चला रहे हैं, इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। इस विषम वातावरण में सभा ने निर्णय लिया है कि हम आर्य महानुभावों को सत्संग आदि के कार्यक्रमों के साथ में जोड़कर रखें और इसी के चलते हमने जूम मोबाइल एप्पलिकेशन पर सत्संगों का आयोजन आरंभ किया है। यह कार्यक्रम प्रत्येक रविवार के साथ-साथ रोजाना सुबह 6:30 से 7:30 बजे तक आर्य सन्देश टी.वी. पर लाइव यज्ञ, भजन और प्रवचनों के रूप में प्रसारित किया जाएगा। आप यूटयूब चैनल के ऊपर आर्य सन्देश टी.वी. टाईप करें और इसका पूरा लाभ उठा सकते हैं। आप घर पर चाहे अपने घरेलु काम ही क्यों न कर रहे हों लेकिन आर्य संदेश चैनल को 6-30 से 7-30 तक खोल कर जरूर रखें ताकि कम से कम यज्ञ के मंत्रों की ध्वनि, सुंदर भजन और प्रसिद्ध विद्वानों के छोटे-छोटे उपयोगी प्रवचन सुन सकें। अतः मेरा आप सभी से निवेदन है कि आप 6:30 से 7:30 तक सुबह आर्य सन्देश टी.वी. जरूर ही चलाएं और यह महत्वपूर्ण जानकारी अपने इष्ट मित्रों को भी दें।

दूसरा निवेदन- हमारी कोशिश है कि आर्य सन्देश टी.वी. पर आर्य समाज की सभी सूचनाएं, संध्या, यज्ञ, सत्संग,

– शेष पृष्ठ 10 पर

वैश्विक कल्याण यज्ञ – टीवी चैनलों पर 3 दिनों तक हुआ प्रसारित
जी न्यूज, सुदर्शन एवं टोटल टीवी पर यज्ञ का प्रचार एवं शानदार प्रिंट मीडिया कवरेज

हिन्दुस्तान
सोमवार • 04 मई 2020 •

विश्व कल्याण के लिए घर-घर हुआ हवन

मथुरा। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर घर घर यज्ञ- ...ाई गई। इसके ...मिशन ने विश्व ...द्धाओं के ...ह 9.30 बजे ... वैदिक विधि ...कया गया। ...चार्य सत्यप्रिय ...से वातावरण ...से कीटाणु व ...

पंजाब केसरी DELHI ▸ 4 मई, 2020 ▸ सोमवार

वैश्विक कल्याण को किया यज्ञ

मथुरा, (पंजाब केसरी): सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि ... पर घर-घर यज्ञ हर घर यज्ञ मुहिम के अंतर्गत वैश्वि... कोरोना योद्धाओं के सम्मान के लिए संस्कार जा... पदाधिकारियों द्वारा अपने घरों में एक साथ एक सम... 9.30 बजे से वैदिक विधि विधान के साथ यज्ञ सम्प... मिशन के संरक्षक आचार्य सत्यप्रिय आर्य ने बताया ... वायुमंडल पवित्र होता है तथा रोगों के अनेक कीटाणु... नाश होता है। यज्ञ से वायु शुद्ध होकर स्वयं कृमियों क... है। वैश्विक महामारी कोराना वायरस में भी यज्ञ कारग... ...य आर्य ने कहा कि यज्ञ हमारी ... घर घर यज्ञ होते रहे तब तक ...

2 सोमवार, 4 मई, 2020 शहर की

कोरोना से सुरक्षा के लिए 10 हजार घरों में एक साथ यज्ञ

36 देशों में एक ही दिन एक ही समय पर वैश्विक कल्याण यज्ञ
आर्य समाज के आह्वान पर कोरोना योद्धाओं के सम्मान में हुआ अनुष्ठान

दिल्ली/जयपुर सोमवार 4 मई, 2020

पंजाब केसरी

आर्य समाज के आह्वान पर 280 घरों से अधिक में लोगों ने किया हवन

धर्मक्षेत्र

दैनिक हिंदुस्तान, लोहरदगा/ 04 मई 2020

कोरोना वॉरियर्स को सम्मान देने और
विश्व कल्याण के लिए किया गया यज्ञ

आर्य समाज संगठन के आह्वान पर बीते दिन 36 देशों में विश्व कल्याण यज्ञ का आयोजन किया गया। इस यज्ञ में अमेरिका और आस्ट्रेलिया समेत फिजी में फैले हजारों आर्य समाज मंदिरों, शिक्षण संस्थाओं, गुरुकुलों एवं अनाथालयों से जुड़े कार्यकर्ताओं और उनसे जुड़े लाखों परिवारों ने अपने-अपने घरों में विश्व कल्याण यज्ञ किया। यहां तक कि ओमान, पाकिस्तान और बंगलादेश जैसे देशों के लोग ...

Arya Samajis perform yagna to beat corona

ब्रज गरिमा
3 मई 2020

वैश्विक कल्याण को यज्ञ

मथुरा, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर 'घर घर यज्ञ-हर घर यज्ञ' मुहिम के अंतर्गत वैश्विक कल्याण व कोरोना योद्धाओं के सम्मान के लिए संस्कार जागृति

epaper.sakshi.com/m5

आर्य प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्र व समाज कल्याण के लिए यज्ञ किया
सभा प्रधान सुदर्शन शर्मा व अन्य पदाधिकारियों ने अपने-अपने घरों में डाली यज्ञ में आहुतियां

जालन्धर, 3 मई (धवन): सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर आज राज्यभर में आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के पदाधिकारियों ने राष्ट्र व समाज कल्याण के लिए अपने-अपने घरों में यज्ञ का आयोजन किया। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के अध्यक्ष सुदर्शन शर्मा ने अपनी पत्नी के साथ अपने निवास स्थान पर हवन यज्ञ कर आहूतियां डाली।

कोरोना वायरस को देखते हुए इस बार ... कर्फ्यू/लॉकडाऊन की स्थिति बनी हुई है इसलिए सामूहिक तौर पर इकट्ठे हवन यज्ञ का आयोजन करना संभव ही नहीं था।

कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए परिवार, राष्ट्र व समाज कल्याण के लिए यज्ञ का आयोजन करते हुए सभी के कल्याण की कामना की गई। सुदर्शन शर्मा के अलावा आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री प्रेम भारद्वाज ने भी अपने परिवार के साथ घर में यज्ञ का आयोजन किया। इसी तरह से पंजाब आर्य ...

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के ...

अतुल्य भारत चेतना प्रादेशिक

घर-घर यज्ञ, हर-घर यज्ञ मुहिम के अंतर्गत लाखों घरों में हुआ अग्निहोत्र

आर्य समाज के आह्वान पर वैश्विक कल्याण को किया यज्ञ

इन्दौर

मंत्रों के साथ किया यज्ञ

कोरोना वायरस के समूल नाश के लिए किया यज्ञ

तिलहर। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के निर्देश पर कोरोना वायरस के समूल नाश के लिए रविवार को तहसील क्षेत्र में तमाम ...

...और कन्या गुरुकुल रुद्रपुर सहित तिलहर नगर और ग्रामीण क्षेत्र ...जन किया गया। गुरुकुल महाविद्यालय रुद्रपुर के वैदिक प्रवक्ता ...र्य के नेतृत्व में गुरुकुल रुद्रपुर और कन्या गुरुकुल सहित गांव ...योजन किया गया। अनुभव आर्य ने बताया कि यज्ञ सर्वश्रेष्ठ कर्म ...करने में सहायक है। लोगों को चाहिए कि वह प्रतिदिन घरों पर ... बचा जा सके। संवाद

సాక్షి 2/4

కరోనా నివారణకు మహాయజ్ఞం

कोरोना वॉरियर्स और विश्व कल्याण के लिए 36 देशों में यज्ञ

वि, नई दिल्ली : आर्य समाज संगठन के आह्वान पर 36 देशों में विश्व कल्याण यज्ञ का आयोजन किया गया। इस यज्ञ में अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया समेत फिजी में फैले हजारों आर्य समाज मंदिरों, शिक्षण संस्थाओं, गुरुकुलों और अनाथालयों से जुड़े कार्यकर्ताओं और उनसे जुड़े लाखों परिवारों ने अपने-अपने घरों में विश्व कल्याण यज्ञ किया। आर्य समाज के इस प्रयास में सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद चौरसिया, एमडीएच समूह के चेयरमैन महाशय धर्मपाल गुलाटी, योग गुरु बाबा रामदेव, बागपत के सांसद डॉ सत्यपाल सिंह और सीकर से लोकसभा सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती के अलावा एसके आर्य, आनंद चौहान, योगेश मुंजाल, दीनदयाल गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल हुए।

दैनिक जागरण आगरा/मथुरा, 4 मई 2020

वैश्विक कल्याण को किया यज्ञ

...स, मथुरा : संस्कार जागृति मिशन के पदाधिकारियों ने अपने-अपने घरों में एक साथ वैदिक विधि विधान के साथ यज्ञ किया। ... संरक्षक आचार्य सत्यप्रिय आर्य ने बताया कि अग्निहोत्र से वायुमंडल पवित्र होता है। कीटाणु व वायरस ... नाश होता है। ... संस्कृति है। जब तक इस देश में घर-घर यज्ञ होते रहे, तब तक कोई वायरस यहां अपने पैर नहीं जमा पाया। उन्होंने आह्वान किया कि पुनः वैदिक संस्कृति की ओर लौटना होगा तभी हम विश्वगुरु के आसन पर बैठ सकेंगे। ...

प्रथम पृष्ठ का शेष

आर्य नेताओं एवं अधिकारियों ने निभाई अग्रणी भूमिका

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेश चंद्र आर्य जी एवं श्री प्रकाश आर्य जी के वैश्विक कल्याण यज्ञ के निर्देश को स्वीकार करते हुए भारत की सभी प्रांतीय सभाओं के अधिकारी आर्य नेताओं और विदेशों की आर्य प्रतिनिधि सभाओं के अधिकारियों ने 3 मई 2020 को प्रातःकाल 9:30 बजे स्वयं अपने घरों में यज्ञ का आयोजन किया तथा अपने-अपने क्षेत्र में पूरी शक्ति के साथ प्रचार-प्रसार कर अग्रणी भूमिका का सहर्ष निर्वहन किया। इस महत्वपूर्ण कार्य में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी और महामंत्री श्री विनय आर्य जी, कोषाध्यक्ष श्री विद्यामित्र ठुकराल जी, आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य के प्रधान, महाशय धर्मपाल जी, महामंत्री श्री सतीश चड्डा जी, कोषाध्यक्ष श्री अरुण प्रकाश वर्मा जी,अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ की ओर से प्रधान महाशय धर्मपाल जी, महामंत्री जोगेंद्र खट्टर जी, कोषाध्यक्ष योगेश आर्य जी, सार्वदेशिक आर्य वीर दल के अध्यक्ष स्वामी देवव्रत सरस्वती जी, प्रधान संचालक, सत्यवीर शास्त्री जी, वेदप्रकाश आर्य जी, प्रवीण कुमार शास्त्री जी, परोपकारिणी सभा अजमेर के प्रधान डॉ. वेदपाल जी, मंत्री श्री कन्हैया लाल आर्य जी, श्रीमद्दयानंद सत्यार्थ प्रकाश न्यास उदयपुर के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक आर्य जी, मंत्री भवानी दास आर्य जी, संयुक्त मंत्री डॉ. अमृतलाल तापड़िया जी, महर्षि दयानंद सरस्वती स्मारक ट्रस्ट, टंकारा की ओर से डॉ. पूनम सूरी जी, ट्रस्टी, श्री योगेश मुंजाल जी, ट्रस्टी, श्रीमती शिवराजवती आर्या जी, ट्रस्टी, श्री अरुण अबरोल जी, ट्रस्टी, आचार्य एम. राजेश जी, कश्यप वेद रिसर्च फाउंडेशन कालीकट, केरला, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान मा. रामपाल जी, महामंत्री श्री उमेद शर्मा जी, आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी, मंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी, बिहार राज्य आ. प्रति. सभा के प्रधान श्री संजीव चौरसिया जी, मंत्री श्री व्यासनंदन शास्त्री जी, आ. प्रति. सभा मध्यप्रदेश के प्रधान श्री सत्यवीर शास्त्री जी, मंत्री श्री अशोक कुमार यादव जी, आ. प्रति. सभा बंगाल के प्रधान श्री दीनदयाल गुप्त जी, मंत्री श्री उदय सरकार जी, मध्य भारत आ. प्रति. सभा के प्रधान श्री इंद्र प्रकाश गांधी जी, मंत्री श्री प्रकाश आर्य जी, आ. प्रति. सभा राजस्थान के प्रधान श्री विजय सिंह बारी जी, मंत्री श्री देवेंद्र शास्त्री जी, आ. प्रति. सभा मुम्बई के प्रधान श्री मिठाई लाल सिंह जी, मंत्री श्री अरुण अबरोल जी, आ. प्रति. सभा जम्मू-कश्मीर के प्रधान श्री अरुण चौधरी जी, मंत्री श्री अरुण आर्य जी, आ. प्रति. सभा असम के प्रधान श्री रमाकांत सिंगल जी, मंत्री श्री लोकेश आर्य जी, आ. प्रति सभा कर्नाटक के प्रधान श्री सुभाष आष्टिकर जी, मंत्री श्री सिद्दा जी पाटिल, आ. प्रति. सभा महाराष्ट्र के प्रधान डॉ. योगमुनि जी, मंत्री श्री राजेंद्र दुबे जी, उत्कल आ. प्रति. सभा के प्रधान स्वामी धर्मानंद जी, मंत्री श्री वीरेंद्र पांडा जी, आ. प्रति. सभा उत्तराखण्ड के प्रधान डॉ. विनय विद्यालंकार जी, मंत्री श्री नरेंद्र लाल आर्य जी, छत्तीसगढ़ प्रांतीय आ. प्रति. सभा के प्रधान आचार्य अंशुदेव जी, मंत्री श्री दीनानाथ वर्मा जी, आ. प्रति. सभा झारखंड के प्रधान श्री भारतभूषण त्रिपाठी जी, मंत्री श्री चंद्रशेखर प्रसाद जी, आ. प्रति. सभा हिमाचल प्रदेश के प्रधान श्री प्रबोद चंद सूद जी, मंत्री श्री विपिन महाजन जी, गुजरात प्रांतीय आ. प्रति. सभा के प्रधान श्री सुरेश चंद्र आर्य जी, मंत्री श्री रतनसीभाई जी, आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश की ओर से संचालक श्री जगबीर आर्य जी, महामन्त्री श्री बृहस्पति आर्य जी, सुंदर आर्य जी, जितेंद्र भाटिया जी, गुरुकुलों के आचार्य एवं आचार्याएं, सम्मानित संन्यासी वृंद, आर्य समाज के विद्वान प्रचारक और सभी आर्य परिवारों ने एक साथ अपनी शिरोमणि सभा के निर्देशन का सहर्ष पालन किया। आर्य समाज की एकता का यह दिव्य दर्शन अद्भुत और अनुपम था। सभी प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं के सम्मानित अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से यज्ञ का प्रचार किया और 3 मई को सबने मिलकर अपने-अपने स्थान पर यज्ञ किया।

भारत में आर्य समाज द्वारा किए गए वैश्विक कल्याण यज्ञों का विहंगम दृश्य

यज्ञ करते सर्वश्री अरुण प्रकाश वर्मा जी (दिल्ली), शिव कुमार मदान जी (दिल्ली), कृपाल सिंह आर्य जी (दिल्ली), डॉ. विनय विद्यालंकार जी (उत्तराखण्ड)

सर्वश्री आचार्य अंशुदेव जी (छत्तीसगढ़), अरुण चौधरी जी (जम्मू-कश्मीर), प्रेम भारद्वाज जी (पंजाब), एवं श्री सुदर्शन शर्मा जी (जालन्धर)

डॉ. रुपकिशोर शास्त्र जी (गुरुकुल कांगड़ी)

श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी (उत्तर प्रदेश)

श्री सत्यपाल पथिक जी जालन्धर (पंजाब)

एमिटी परिवार श्री आनन्द चौहान जी डॉ. अशोक कुमार चौहान जी सपरिवार यज्ञ करते हुए

वैश्विक कल्याण यज्ञ पर आर्य महानुभावों के विशेष उद्‌बोधन

सुखी और निरोग रहने के लिए करें यज्ञ

आर्य समाज और यज्ञ का आपस में सदा से गहरा संबन्ध है। आर्य समाज ने ही यज्ञ की परंपरा को समाज में जीवित किया है। कोरोना से बचने के लिए सुखी और निरोग रहने के लिए यज्ञ करना बहुत जरूरी है। आज सारे विश्व में लाखों आर्य परिवारों में एक साथ यज्ञ किया गया। मुझे बड़ी खुशी है कि आप सब भगवान के बंदों को रक्षा के लिए यज्ञ कर रहे हैं। मैंने भी अपने परिवार के साथ यज्ञ किया है और सबके लिए शुभकामना की है। सभी सुखी रहें, निरोग रहें, सबको बहुत-बहुत आशीर्वाद

- पद्मभूषण महाशय धर्मपाल

मानव समाज के लिए यज्ञ-अत्यन्त लाभकारी

3 मई 2020 को संपूर्ण भारत और विश्व में एक साथ एक समय पर यज्ञ का आयोजन अपने आपमें एक अद्‌भुत सफल संकल्प सिद्ध हुआ। हमारे क्षेत्रवासियों, प्रदेश वासियों और देश वासियों ने वैश्विक कल्याण हेतु वैदिक आश्रम पीपराली, सीकर में यज्ञ किया। यज्ञ के ऊपर किए गए वैज्ञानिक शोध से पता चलता है कि यज्ञ में डाली गई सामग्री हवा में फैल कर बीमारियों के इन्फेक्शन को तथा विषाणुओं को नष्ट कर देती है। यह यज्ञ मानव समाज के लिए अत्यन्त लाभाकारी सिद्ध होगा। सभी कोरोना पीड़ितों के लिए उत्तम स्वास्थ्य की कमाना और सार्वदेशिक सभा के लिए बहुत-बहुत साधुवाद। *-स्वामी सुमेधानंद सरस्वती*

यज्ञ है एक वैज्ञानिक चिकित्सा

यज्ञ वैदिक संस्कृति का प्राण है। यज्ञ एक विशिष्ट विज्ञान है। यज्ञ एक चिकित्सा है। इसलिए यज्ञ करना, कराना हम आर्यो की श्रेष्ठ परंपरा है। विश्व की सभी आर्य समाजों ने वैश्विक कल्याण हेतु यज्ञ किया। वेदमंत्रों का उच्चारण किया। औषधियुक्त सामग्री और घी से आहुति दी। यह अपने आपमें बहुत बड़ी उपलब्धि है। सभी आर्यजनों को बहुत-बहुत बधाई।

- प्रकाश आर्य

गुरुकुलों के 125000 छात्र-छात्राओं ने किया यज्ञ

आज प्रात:काल 3 मई को 9:30 बजे गुरुकुलों के 1,25,000 छात्र-छात्राओं ने एक साथ यज्ञ किया। इसके लिए सुगन्धित, पौष्टिक और रोग निवारक सामग्री का उपयोग किया गया। इस यज्ञ से सभी कोरोना पीड़ितों को लाभ प्राप्त होगा। ऋषि दयानंद सरस्वती जी ने कहा है कि यज्ञ से जल, वायु शुद्ध होती है और समय पर वृष्टि होती है। रोगों की निवृत्ति के लिए यज्ञ एक श्रेष्ठ कर्म है। ईश्वर की कृपा से पूरे देश और विश्व में यज्ञ किया गया। हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान यह यज्ञ सफल हो और सबको आरोग्यता प्राप्त हो। *- स्वामी प्रणावानंद सरस्वती*

यज्ञ और योग करने से सारे रोग होते हैं-दूर

संपूर्ण प्रकृति यज्ञमय है, संसार में चारों तरफ यज्ञ हो रहा है।आर्य समाज के द्वारा सारे विश्व में 3 मई को यज्ञ का विशिष्ट आयोजन किया गया। लाखों परिवारों में यज्ञ की ज्योति जलाकर वेदमंत्रों से आहुति दी गई। यज्ञ हमारे ऋषि-मुनियों का अनभूत परोपकारी श्रेष्ठ कर्म है। यज्ञ और योग से सारे रोग दूर होते हैं। कोरोना की महामारी से सारे संसार को बचाने के लिए तथा सारे विश्व को आर्य बनाने के लिए यज्ञ करना बहुत जरूरी है। पतंजलि योग पीठ, पतंजलि वैदिक गुरुकुलम् और पतंजलि वैदिक कन्या गुरुकुलम् द्वारा भी यज्ञ किया गया। जिसे आस्था और वैदिक चैनल पर लाइव दिखाया गया। हम पूरे विश्व के सभी मनुष्यों की आरोग्यता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और सभी को शुभकामनाएं देते हैं।

-योगगुरु स्वामी रामदेव

यज्ञ से होता है प्रदूषण मुक्त वातावरण

यज्ञ करना हमारी भारतीय संस्कृति और प्राचीन परंपरा है। यज्ञ से वायु प्रदूषण दूर होता है। जल शुद्ध होता है। प्रकृति को शक्ति मिलती है और वायरस नष्ट होते हैं। कोरोना को हराने के लिए आर्य समाज परिवार द्वारा विश्व स्तर पर किया गया यज्ञ अत्यंत सफल और सकारात्मक सिद्ध हुआ है। इसके लिए सार्वदेशिक सभा के अधिकारियों को धन्यवाद और दिल्ली की समस्त आर्य समाजों, शिक्षण संस्थाओं के अधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आर्य परिवारों को इस यज्ञ में शामिल होने के लिए बधाई।

-धर्मपाल आर्य, प्रधान दिल्ली सभा

यज्ञ करना और कराना आर्यो का धर्म है

3 मई 2020 को पूरे भारत और विश्व में एक साथ यज्ञ किया गया। हमने भी यज्ञ किया और कोरोना से मुक्ति के लिए आहुति दी। यह यज्ञ तो केवल प्रतीकात्मक था। मैं सभी से निवेदन करता हूं कि यज्ञ को दैनिक रूप मेंअपनाएं। प्रतिदिन यज्ञ करें, जीवन सफल बनाएं। सभी यज्ञ करने वालों को बहुत-बहुत बधाई।

-सतीश चड्ढा

यज्ञ करें और स्वस्थ रहें

आर्य परिवारों में यज्ञ करना और कराना एक प्राचीन परंपरा है। लेकिन कोरोना महामारी के समय सार्वदेशिक सभा के आहवान पर लाखों परिवारों में यज्ञ किया गया। यह एक कल्याणकारी कार्य है। यज्ञ से अवश्य ही कोरोना का खातमा होगा और मानवता जीतेगी। अत: सब यज्ञ करें और स्वस्थ रहें। सभी को बहुत-बहुत बधाई।

-जोगेंद्र खट्टर

यज्ञ करना सबके लिए जरूरी

आज पूरा विश्व प्रदूषण से परेशान है और स्थिति यह बन गई है कि चारों और प्रदूषण का ही बोलबाला है। पहले समय में हर घर में यज्ञ होता था, इसलिए सारा वातावरण शुद्ध रहता था। इसलिए आज भी यह जरूरी है कि सब यज्ञ, हवन किया करें। इससे पूरा वायुमण्डल शुद्ध होगा और प्राणीमात्र के लिए यह सब लाभदायक है।

- गंगाप्रसाद,
महामहिम राज्यपाल, सिक्किम

3 मई को हर वर्ष मनाया जाए वर्ल्ड यज्ञ डे

यज्ञ एक महान और श्रेष्ठ कर्म है। हमारे सभी घरों में पक्की यज्ञशाला है। यज्ञ से सारे रोग दूर होते हैं। सुख, शांति की प्राप्ति होती है। कोरोना को हराने के लिए 3 मई को यज्ञ करना उचित है। लेकिन यज्ञ को अपनी दिनचर्या का अंग बनाए। यज्ञ से कोरोना हारेगा और हम जीतेंगे। इस सफल आयोजन के लिए सार्वदेशिक सभा को बहुत-बहुत बधाई। लेकिन साथ में यह निवेदन भी करना चाहता हूं कि हर वर्ष 3 मई को वर्ल्ड यज्ञ डे का आयोजन किया जाए। सभी को पुन: धन्यवाद और आभार।

-प्रसिद्ध उद्योगपति योगेश मुंजाल

यज्ञ से ही संभव होगा वैश्विक कल्याण

"सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया" की भावना से विश्व के संपूर्ण आर्य समाजों, आर्य शिक्षण संस्थाओं, अनाथालयों और आर्य प्रतिष्ठानों में लाखों की संख्या में एक साथ यज्ञ करके एक नया इतिहास रच दिया है। इसके लिए सभी महानुभावों को बहुत-बहुत बधाई। कोरोना जैसी महामारी से बचने के लिए यज्ञ से ही वैश्विक कल्याण संभव होगा। सार्वदेशिक सभा की एक आवाज पर पूरे विश्व के आर्यजनों द्वारा एक साथ यज्ञ करना बहुत ही उत्तम संकेत है। सभी को बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद।

- विनय आय

125 वर्षों से यज्ञ करता आ रहा है हमारा परिवार

वेदों में यज्ञ करने का विधान है। जिसको विश्व के वैज्ञानिकों ने भी बताया है कि यज्ञ से पर्यावरण शुद्ध होता है। हमारे यहां श्रीराम और श्रीकृष्ण भी यज्ञ करते थे। यज्ञ करना हमारी पुरानी परंपरा है। हमारे चौहान परिवार में पिछले 125 वर्षो से यज्ञ होता आ रहा है। हमारे परिवार के मुखिया श्री अशोक चौहान जी के निर्देशन में एमटी शिक्षण संस्थानों में प्रतिदिन यज्ञ होता है। मैं इस परोपकारी आयोजन के लिए यज्ञ के आयोजकों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

-आनंद चौहान

आर्य समाज के सभी अधिकारी, कार्यकर्त्ता और सदस्यों को बधाई

भारत और विदेशों के सभी आर्य समाजों के अधिकारियों को मैं साधुवाद और बधाई देता हूं। आप सबने कोरोना के विरुद्ध आर्य समाज के घर घर यज्ञ, हर घर यज्ञ अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 3 मई को एक साथ हजारों आर्य समाजों, आर्य संस्थाओं और लाखों आर्य परिवारों ने वैदिक संस्कृति को आत्मसात करते हुए यज्ञ के विज्ञान को सर्वोपरि स्थान देकर अपने आपमें एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। यज्ञ करते हुए छोटे-छोटे बच्चे और परिवारिक जन बड़े उमंग और उत्साह में नजर आए। यह दृश्य अपने आपमें अनुपम संदेश दे रहा था। इसी तरह हम सब मिलजुल कर इस संकट की घड़ी में मानव सेवा के कार्य करते रहेंगे। आप सभी महानुभावों को विशेष रूप से बच्चों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। *- सुरेश चंद्र आय*

कोरोना हारेगा, मनुष्य जीतेगा

यज्ञ हमारी लाखों पुरानी संस्कृति है। यज्ञ में आहुति देने से कोना-कोना शुद्ध हो जाता है। कोरोना को हराने के लिए यज्ञ करना जरूरी है। प्रकृति की रक्षा के लिए हमने 3 मई को सुदर्शन चैनल पर यज्ञ किया और विश्व के लाखों घरों किए गए वैश्विक कल्याण यज्ञ का प्रसारण भी किया तथा ईश्वर से प्रार्थना की- हे ईश्वर, कोरोना हारे और मनुष्य जीते। सारे विश्व के यज्ञ करने वालों को सुदर्शन टी.वी. की ओर से बधाई।

-सुरेश च्वहान, सुदर्शन टी.वी.

मानव मात्र की रक्षा के लिए करें यज्ञ

सभी आर्यजनों ने अपने-अपने स्थान पर यज्ञ किया। सब अलग-अलग यज्ञ कर रहे थे लेकिन भावना सबकी एक थी कि कोरोना महामारी से बचाव हो। जब सामूहिक यज्ञ किए जाते हैं तब भी यही भावना होती है। लेकिन अगल-अलग यज्ञ करके भी सब एक ही लक्ष्य और उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ रहे थे। सभी को बहुत-बहुत बधाई और सार्वदेशिक सभा का धन्यवाद।

-मिठाईलाल सिंह, मुम्बई

यज्ञ हमारी संस्कृति का मेरूदण्ड

कोरोना की महामारी ने विश्व को तबाह कर दिया। इसको जड़ से उखाड़ने के लिए आर्य समाज ने यज्ञ किया। और बड़े ही विशाल और विराट स्तर पर किया। हमारे ऋषि-मुनि यज्ञ से चिकित्सा किया करते थे। आर्य समाज ने उसी परंपरा को आगे बढ़ाया। सार्वदेशिक सभा और पंजाब आर्य प्रतिनिधि सभा दोनों के निर्देश पर सारे भारत में और विश्व में लाखों घरों में यज्ञ करने के लिए सबको बहुत-बहुत बधाई।- *प्रो. स्वतंत्र कुमार*

वैश्विक कल्याण यज्ञ पर देश-विदेश के आर्य महानुभावों के विशेष उद्बोधन

भारतीय संस्कृति की आधारशिला है -यज्ञ

वैश्विक महामारी कोरोना से पूरा विश्व प्रभावित है। चारों तरफ निराशा और उदासी का वातावरण बना हुआ है। वेदों में बताया गया यज्ञ-विधान मानव मात्र के लिए कल्याणकारी है। यज्ञ का अपना विज्ञान है। यज्ञ में डाला हुआ हर पदार्थ वातवरण को शुद्ध करता है, आत्मा को बलवान बनाता है और मन को मजबूत बनाता है। आज पूरे विश्व में आर्य समाज द्वारा घर-घर यज्ञ का आयोजन किया गया। लाखों परिवारों ने एक साथ यज्ञ किया। इसके लिए समस्त आयोजकों को बधाई और धन्यवाद और साथ में ईश्वर से यही प्रार्थना है कि शीघ्रता से यह महामारी दूर हो। सब घरों में सुख-शांति का वास हो। बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

-डॉ. सत्यपाल सिंह, सांसद, बागपत

यज्ञ हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग

"सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया" की भावना के साथ विश्व भर के आर्य परिवारों और आर्य संस्थाओं द्वारा यज्ञ किया गया। इस यज्ञ की सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाई। आर्य वीरांगना दल के सभी अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं और सदस्यों ने तथा आर्य वीरांगनाओं ने अपने-अपने स्थान पर यज्ञ किया। सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि कोरोना पीड़ितों को उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हो। सारे विश्व में प्रेम-प्रसन्नता का वातावरण हो। सार्वदेशिक सभा को बहुत-बहुत साधुवाद।

-साध्वी उत्तमा यति

यज्ञ से होता है- विश्व कल्याण

हमारी वैदिक संस्कृति में यज्ञ उतना ही प्राचीन और प्रसंगिक है जितना कि मानव जीवन। यज्ञ से जल, वायु शुद्ध होती है, वृष्टि होती है और प्राचीन काल में पुत्रेष्टि यज्ञ भी किए जाते थे। यज्ञ एक महान विज्ञान है। आज कोरोना महामारी के निवारण हेतु पूरे भारत में और विश्व में यज्ञ किया गया। इससे अवश्य ही वैश्विक कल्याण संभव होगा। हम सभी के लिए मंगलकामना करते हैं, प्रार्थना करते है कि सब स्वस्थ हों और चारों तरफ यज्ञमय वातावरण बने।

-डॉ. विनय विद्यालंकार

यज्ञ की सफलता आर्य समाज की महान उपलब्धि

विश्व भर में आयोजित घर-घर यज्ञ, हर घर यज्ञ की सफलता आर्य समाज के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेश चंद्र आर्य जी, महाशय धर्मपाल जी और दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अधिकारी श्री धर्मपाल आर्य जी, श्री विनय आर्य जी, आर्य केंद्रीय सभा के महामंत्री श्री सतीश चड्डा जी, श्री जोगेंद्र खट्टर जी इत्यादि सभी महानुभावों को बहुत-बहुत बधाई।

- अजय सहगल

यज्ञ से प्रकट होती है -भावनात्मक समीपता

सनातन वैदिक संस्कृति में यज्ञ को महान कर्म माना गया है। यज्ञ से भौतिक दूरी और भावनात्मक समीपता बढ़ती है। जो कि कोरोना के समय में जरूरी भी है। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में हमने नेपाल में घर-घर यज्ञों के आयोजन किए और सबके लिए शुभकामना की। इस विशेष आयोजन के लिए सार्वदेशिक सभा के अधिकारियों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

- माधव प्रसाद उपाध्याय, नेपाल

घर-घर यज्ञ करो सब प्राणी

कोरोना महामारी से बचने के लिए आत्मिक शक्ति को बढ़ाना जरूरी है। यज्ञ करने से आत्म बल बढ़ता है। मनोबल बढ़ता है और रोग दूर होते हैं। इस भावना से हालैंड में घर-घर यज्ञ, हर घर यज्ञ किया गया। इस आयोजन के लिए सार्वदेशिक सभा को बधाई।

-सुरेन महाबली, हालैंड

कोरोना की चुनौती से यज्ञ से होगा बचाव

आजकल कोरोना महामारी एक चुनौती बनकर विश्व के सामने खड़ी है। यज्ञ द्वारा इससे बचाव संभव है। मेरे बाल्यकाल में मैंने स्वयं देखा था जब पानीपत में एक बार सूखा और आकाल की स्थिति पैदा हो गई थी। तब वहां आर्य समाज ने एक बहुत बड़ा साप्ताहिक यज्ञ किया था। जिसके प्रभाव से मूसलाधार बारिश हुई थी। कोरोना से उत्पन्न हुई इस संकट की घड़ी में आर्य समाज ने विश्व स्तर पर यज्ञ करके एक महान परोपकारी कार्य किया है। इससे अवश्य लाभ होगा। इस आयोजन के लिए सार्वदेशिक सभा के अधिकारियों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

-विश्रुत आर्य, अमेरिका

मानव जाति की रक्षा के लिए ईश्वर से प्रार्थना

हमने परिवार सहित 3 मई 2020 को मिलकर यज्ञ किया और पूरी मानवता के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। यज्ञ के इस आयोजन को न्यूजीलैंड में कई आर्य परिवारों ने स्वागत किया। सार्वदेशिक सभा के अधिकारियों का धन्यवाद।

- लवराज कुमार, ऑकलैंड, न्युजीलैंड

घर-घर यज्ञ करो सब प्राणी

कोरोना महामारी से बचने के लिए आत्मिक शक्ति को बढ़ाना जरूरी है। यज्ञ करने से आत्म बल बढ़ता है। मनोबल बढ़ता है और रोग दूर होते हैं। इस भावना से हालैंड में घर-घर यज्ञ, हर घर यज्ञ किया गया। इस आयोजन के लिए सार्वदेशिक सभा को बधाई।

-सुरेन महाबली, हालैंड

मानवता की रक्षा के लिए यज्ञ जरूरी

कोरोना एक बड़ा खतरा है और अमेरिका में तो यह भयंकर त्रासदी बनकर आया है। इस चुनौती से निपटने के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका द्वारा मानवता की रक्षा हेतु 3 मई, 2020 को शुद्ध घी और सामग्री से आर्य परिवारों में यज्ञ किया गया। इस श्रेष्ठ कार्य के लिए सभी आर्यजनों का धन्यवाद और सार्वदेशिक सभा के प्रति आभार।

-भुवनेश खोसला, अमेरिका

देश-विदेश में आर्य परिवारों के बच्चों ने किया यज्ञ प्रचार एवं यज्ञ करने का आह्वान

आधुनिक युग तकनीकी का युग है। वैश्विक कल्याण यज्ञ के आयोजन का देश-विदेश में आर्य समाज परिवारों के बच्चों में जमकर प्रचार किया। इसके लिए सभी बच्चों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं और साथ में संदेश भी कि आप हमेशा इसी तरह से वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कारों के प्रचार-प्रसार में समर्पित भाव से सलंग्न रहे।

कोरोना वारियर्स की सुरक्षा के लिए पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी ने सरकार को भेंट की 7500 पी.पी.ई.किट : उप मुख्यमन्त्री श्री मनीष सिसोदिया जी ने किया धन्यवाद

पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी ने कोरोना वायरस की सुरक्षा के लिए 7500 पी.पी.ई. किट प्रदान की। इस अवसर पर दिल्ली के उप मुख्यमन्त्री श्री मनीष सिसोदिया जी ने स्वयं पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी के करकमलों से पी.पी.ई. किट प्राप्त की। दिल्ली सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी भी उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि लॉक डाउन आरम्भ हो जाने के कारण महाशय जी ने मानव सेवा को ही अपने जन्मदिन का महोत्सव समझा। और चारों तरफ सेवा के कार्य प्रारंभ कर दिए। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को 50,00,000 लाख की बड़ी राशि देकर कोरोना पीड़ितों की सेवा के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री राहत कोष में 2.5 करोड़, मुख्यमन्त्री राहत कोष दिल्ली में 2 करोड़, मुख्यमन्त्री राहत कोष हरियाणा को 1 करोड़ और मुख्यमन्त्री राहत कोष सिक्किम को 11 लाख की बड़ी राशि प्रदान की और इसके साथ-साथ दिल्ली में कई स्थानों पर अन्न क्षेत्र भी खुलवाए।

भारत में आर्य समाज द्वारा किए गए वैश्विक कल्याण यज्ञों का विहंगम दृश्य

श्री मिठाईलाल सिंह (मुम्बई)

श्री राजेन्द्र दिवे जी (महाराष्ट्र)

श्री योगेश मुंजाल जी (मुंजाल शोवा लिमि.)

श्री उम्मेद शर्मा जी (हरियाणा)

श्री वेद प्रकाश जी (हरियाण)

मा. रामपाल जी (रोहतक)

आचार्य सनत कुमार जी

श्री सत्यवीर श्रीवास्ताव (नोएडा)

डॉ. कमलेश अग्निहोत्री जी

श्री नीरज आर्य जी परिवार के साथ यज्ञ करते हुए (तिहाड़ग्राम)

श्री कीर्ति शर्मा जी (मध्य दिल्ली)

श्री विनय आर्य जी (पश्चिम दिल्ली)

चन्द्र आर्य विद्या मन्दिर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली

साध्वी उत्तमायति जी (अजमेर)

श्री अतुल चौहान जी (एमिटी विश्वविद्यालय)

गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, फरीदाबाद (हरियाणा)

कश्यप वेद रिसर्च फाउंडेशन केरल

विदेशों में आर्य समाज द्वारा किए गए वैश्विक कल्याण यज्ञों का विहंगम दृश्य

डॉ. रमेश गुप्ता जी (अमेरिका) श्री भुवनदत्त जी (फिजी) श्री अशोक खेत्रपाल जी (म्यांमार)

पाकिस्तान के सिंध एवं हैदराबाद प्राप्त में यज्ञ करते आर्य परिवार श्री माधव प्रसाद उपाध्याय (नेपाल) श्री शान्ति प्रकाश जी (म्यांमार)

लवराज कुमार (ऑकलैंड) सुश्री क्षमा गोविन्द (हॉलैंण्ड) श्रीमती विभा केले (यू.के.) डॉ. रामविलास जी (दक्षिण अफ्रीका)

श्री हरीश सचदेवा (न्यूजीलैंड), श्रीमती .... (शिकागो)................, श्रीमती प्रेम (ऑस्ट्रेलिया) श्री सूर्य प्रसाद बीरे (नीदरलैंड)

श्री उमेश यादव (बरमिंघम-इंगलेंड), श्री गंगा बिशन सिंह जी (सूरीनाम), श्री .... श्रीमती......

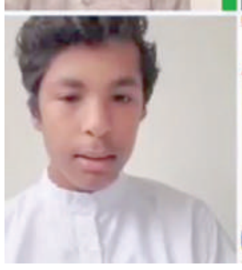

भारत से बाहर विदेशों में आर्य परिवारों के बच्चों ने किया यज्ञ प्रचार एवं यज्ञ करने का आह्वान

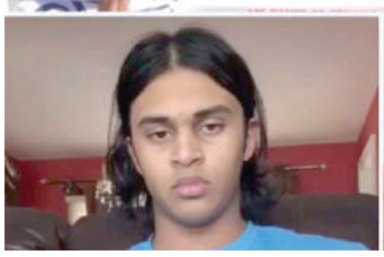
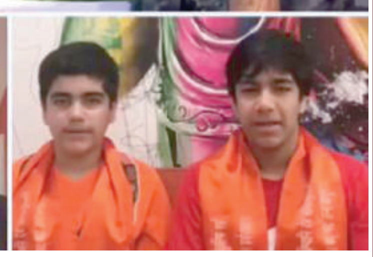

भारत में आर्य परिवारों के बच्चों ने किया यज्ञ प्रचार एवं यज्ञ करने का आह्वान

Continue from last issue

Maharish Dayanand Saraswati's Beliefs

5. God and soul are incorporal and unchangeable, and are related to each other as the pervader and the pervaded. The distinction of their respective individua- lities is constant, in other words, their physical natures are not identical. For instance, the material objects are always. distinct from the space they exit in ; bote of them, *viz.* objects and space, can never be converted, either in thought or in reality, into one homogeneus whole. Hence, the relation between God and man is the same as between the container and the contained, the contemplator and the contemplated, the father and the son, and the like.

6. The eternal substances are 1. God,· 2. Soul, *3. Prakriti* or the material cause of the universe. The primary properties, the physical nature, and the modes of .action of the eternal substances are also ever the same.

7. The manifestations of their secondary qualities, accidents and energies constantly occur on their coalition and disappear on their separation; but their inherent power which produces their union and disunion is invariable in their nature. They again and again unite and disunite in eternity. Thus the secondary qualities are also eternal in regularity of succession.

8. The creation is the vast empire of the visible objets, the compounds of elements, constructed with all prefection of design by the infinite wisdom of the Divine Architect.

9. The final causes of creation are the Divine powers, the equitable bestowal of rewards and punishments on the actions of souls, and the like: The eyes, for example, are to see with, so that attributes of God exist to be revealed for general weal, by the wonderful spectacle of nature.

To be continued......

With thanks By: "Flash of Truth"

पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी, एम.डी.एच. की ओर से वैश्विक कल्याण यज्ञ के प्रचार-प्रसार हेतु दैनिक नव ज्योति, हरिभूमि, पंजाब केसरी , दैनिक भास्कर सहित कई समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसमाज की ओर से हार्दिक आभार एवं धन्यवाद।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर

आर्यसमाज कोरोना आपदा कोष में आहुति देने वाले महानुभावों की सूची

गतांक से आगे		77. बलबीर सिंह	1100	87. गर्विता डुसेजा	1100	97. रामचन्द्र	20000
68. सर्वश्री सन्दीप	5000	78. हरि सिंह पुरोहित	2100	88. अशोक कुमार खुराना	11000	98. आ. स. पंजाबी बाग	100000
69. नरेन्द्र	5000	79. आनन्द	500	89. अजय कुमार	151	99. यज्ञदत्त आर्य	51000
70. नवनीत आर्य	1000	80. आकाश जैन	500	90. आ. स. पंजाबी बाग विस्तार	11000	100.पंधारकर वितिशा	500
71. संजीव कुमार गर्ग	11000	81. प्रियांक	100	91. प्रीतिपाल सिंह	5000	101. रजनी देवी	1000
72. सतीश कुमार सिंगला	11000	82. डॉ. शालूनी भूषण सैनी	2100	92. सतीश कुमार गर्ग	2100	102. प्रसन्ना	100
73. अखिल कुमार	5100	83. श्रीमती प्रभा अग्रवाल	5100	93. सुधीर कुमार	501	103. नरायण दास डाबर	250
74. अश्विनी कुमार आर्य	11000	84. आ. स. मयूर विहार-2	21000	94. पुष्पेन्द्र कुमार	500	104. सुश्री प्रीति चड्डा	500
75. शिव कुमार गुप्ता	11000	85. आ.स. ग्रु.हा.सो. विकासपुरी	25000	95. शिवओम	100	105. सुश्री लक्ष्मी	1000
76. नरेन्द्र आर्य	11000	86. वेद प्रकाश	3100	96. ललित कुमार गर्ग	501		

– क्रमश:

सार्वदेशिक सभा के आह्वान पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा समस्त अर्यसमाजों, शिक्षण संस्थानों, गुरुकुलों, विद्यालयों, व्यापारिक संस्थानों, दानी महानुभावों, आर्यसन्देश साप्ताहिक पाठकवृन्दों तथा जन समान्य से अधिकाधिक सहयोग प्रदान करने की अपील करती है, ताकि देश आए इस विपत्ति काल कोरोना वायरस से फैले संक्रमण के समय देश मे लागू लॉक डाउन से प्रभावित गरीबों, निर्धनों, असहाय, दैनिक दिहाडी मजदूरों, प्रवासी नागरिक मजूदरों के भोजन, राशन, पानी तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। कृपया अपनी दान राशि नकद/चैक/बैक ड्राफ्ट के माध्यम से '**दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा**' के नाम **15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001** के पते पर भेजें। **आप अपना आर्थिक सहयोग सीधे सभा के बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं –**

Delhi Arya Pratinidhi Sabha - A/c No. 910010001816166

IFSC Code : UTIB0000223 Axis Bank Karol Bagh

कृपया अपनी सहयोग राशि जमा करते ही श्री अशोक कुमार जी को मोबाइल नंबर 9540040322 पर सूचित करें ताकि आपको आपके दिए गए सहयोग रसीद यथाशीघ्र भेजी जा सके। **दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर मुक्त है।** – *महामन्त्री*

कोरोना महामारी के बीच लॉक डाउन में पांचवी बार प्रधानमंत्री का प्रेरणादायक वैदिक उद्बोधन

12 मई, 2020 को सायं 8:00 बजे भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने लॉकडाउन के तीसरे चरण में पांचवी बार भारत राष्ट्र को संबोधित किया। आपने 33 मिनट के उद्बोधन में 28 बार आत्मनिर्भर शब्द का प्रयोग किया। आपने संपूर्ण मानवजाति के सामने कोरोना महामारी के संकट में जान गंवाने वाले मनुष्यों के लिए संवेदना व्यक्त की और भारत वासियों को अपने संदेश में कहा कि इस संकट की घड़ी में थकना, हारना, टूटना, बिखरना मानव को मंजूर नहीं। सतर्क रहकर इस जंग के सभी नियमों का पालन करते हुए हमें बचना भी है और आगे बढ़ना भी है। हमें अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। हमारा संकल्प इस संकट से भी विराट होगा। 21वीं सदी हिन्दुस्तान की है। हमें आत्म निर्भर बनना होगा। भारत को इस आपदा को अवसर में बदलना होगा। प्रधानमंत्री जी का संदेश सुनकर ऐसा लग रहा था जैसे घर का मुखिया संकट की घड़ी में अपने परिवार को संबल दे रहा हो और न केवल संबल बल्कि आगे बढ़ने की, उंचा उठने की शक्ति बांट रहा हो, नव जागृति का संदेश दे रहा हो।

विपरीत वातावरण को अनुकूल बनाने में सक्षम श्री मोदी जी ने अपने उद्बोधन में लगभग वैदिक विचारों का ऐसा उद्घोष किया कि चारों तरफ फैली निराशा, उदासी, चिंता, भय और तनाव को दूर हुआ और पूरी मानव जाति का उत्साहवर्धन हो गया। इसके लिए आपने अथर्ववेद के मंत्र की सूक्ति **" माता भूमि पुत्रोऽहं पृथिव्या:"** की प्रेरणा प्रदान करते हुए कि हम धरती माता के पुत्र है। हमें लोकल को ग्लोबल बनाना है। हमें आत्म निर्भर बनना है। आज चाह भी है और राह भी है। इस पूरे उद्बोधन में आशा, उत्साह, उमंग और संतुलन का समावेश था। मोदी जी ने अपने पहले उद्बोधन में भी ऋग्वेद के मंत्र का उल्लेख करते हुए **"वयं राष्ट्रे जागृयाम"** हम अपने राष्ट्र को जागृत और जीवंत बनाए रखें, इत्यादि कई वैदिक संदेश दिए। मोदी जी आपके द्वारा इस वैदिक विचारधारा के प्रचार-प्रसार का आर्य समाज स्वागत करता है। आपको सादर को बधाई देता है कि आपने वेदों का गुणगान करके महर्षि दयानंद के सपने को साकार करने का प्रशंसनीय प्रयास किया है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी के मुताबिक 20 लाख करोड़ रुपए का पैकेज भारत की जी.डी.पी. का लगभग10 प्रतिशत देश के विभिन्न वर्गो को आर्थिक व्यवस्था की कड़ियों को संबल प्रदान करने के लिए देने की घोषणा की । मोदी जी ने कहा कि यह पैकेज 2020 में देश की विकास यात्रा को तथा आत्म निर्भर भारत अभियान को नई गति देगा। आत्म निर्भर भारत के संकल्प को शुद्ध करने के लिए इस पैकेज में लैंड, लेबर, लिक्विडी और लॉं सभी पर बल दिया गया है। आर्थिक पैकेज से हमारे कुटिल उद्योग, गृह उद्योग, लघु उद्योगों जो करोड़ों लोगों की आजीविका का साधन है। आर्थिक पैकेज देश के उस श्रमिक के लिए, किसान के लिए है जो देश के लिए दिन-रात परिश्रम कर रहा है। यह पैकेज देश के मध्यम वर्ग के लिए है जो ईमानदारी से टैक्स देता है। भारत के उद्योगपतियों के लिए है जो देश को आर्थिक बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, मजदूर सबके लिए इसमें प्रावधान है।

हालांकि कई लोगों ने इस संदेश और पैकेज का विरोध भी किया है , इसमें कमियां भी निकाली, लेकिन आर्य समाज मोदी जी के संबोधन का सहर्ष स्वागत करता है और इस आपातकालीन स्थिति में देश के साथ है। पुन: भारत के प्रधानमंत्री जी को वैदिक उद्बोधन के लिए बधाई और बहुत-बहुत आभार।

– सम्पादक

शोक समाचार

आर्य नेता श्री रामनाथ सहगल का निधन

आर्यसमाज की महान विभूति, अनुभव के हिमशिखर , आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य के पूर्व प्रधान, महामन्त्री, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा के अधिकारी, टंकारा टस्ट के मन्त्री एवं अन्य अनेक संस्थाओं के सम्मानित पदों को सुशोभित करने वाले आर्य नेता श्री रामनाथ सहगल जी का 96 वर्ष की अवस्था में 20 अप्रैल, 2020 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ लोदी रोड, शमशान घाट पर किया गया।

उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रदांजलि सभा 24 अप्रैल, 2020 को जूम एप्प के माध्यम से की गई। पूरे भारत एवं विश्व के अनेक आर्यजनों में ऑनलाइन श्रदांजलि अर्पित की।

श्री संजय कुमार को पत्नी शोक

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट एवं दिल्ली आर्य प्रतिनधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी के ड्राइवर श्री संजय कुमार जी की धर्मपत्नी श्रीमती कंचन देवी जी का 34 वर्ष की अल्पायु में 4 मई,2020 को उनके पैतृक गांव में निधन हो गया।

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

सत्य के प्रचारार्थ

• प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
• विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
• स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650522778
E-mail : aspt.india@gmail.com

माता दयावन्ती का निधन

आर्यसमाज बाहरी रिंग रोड, विकासपुरी नई दिल्ली की अन्तरंग सदस्या, कर्मठ नेत्री, विपरीत परिस्थितियों में भी दैनिक सत्संग में नियमित रूप से उपस्थित होने वाली माता दयावंती जी का 79 वर्ष की आयु में बृहस्पतिवार 16 अप्रैल, 2020 को निधन हो गया।

श्री राम रतन दुहन को पत्नी शोक

आर्यसमाज राज नगर (पालम) नई दिल्ली के पूर्व प्रधान श्री रामरतन दुहन जी की धर्मपत्नी का 11 मई, 2020 की सायंकाल निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार 12 मई को पालम स्थित शमशान घाट पर पूर्ण वैदिक रीति से किया गया।

श्री राज कुमार दीवान को मातृशोक

आर्य समाज वासी (मुम्बई) के प्रधान श्री राजकुमार दीवान जी की माता जी का कुछ दिन पूर्व निधन हो गया। श्री दीवान जी उस समय माताजी के घर लखनऊ में थे। लॉकडाउन शुरू हुआ था तभी से वही पर माता जी के घर पर ही निवास कर रहे थे।

श्री गोविन्दराम आर्य जी को पत्नीशोक

मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के उप प्रधान तथा इंदौर संभाग के प्रभारी श्री गोविंदराम जी आर्य निवासी देपालपुर, जिला इंदौर की धर्मपत्नी श्रीमती केसरबाई आर्य का निधन 21 अप्रैल 2020 मंगलवार को रात्रि में लगभग 1:30 बजे हो गया।

श्री सुरेन्द्र आर्य का निधन

आर्य समाज घोगड़ियाँ (गुजरात) के युवा कार्यकर्ता आर्य सुरेंद्र जी का 18 अप्रैल 2020 को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ स्थानीय शमशान घाट पर किया गया।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

साप्ताहिक आर्य सन्देश
सोमवार 11 मई, 2020 से रविवार 17 मई, 2020
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001
दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 14-15 मई, 2020
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 13 मई, 2020

प्रथम पृष्ठ का शेष

वैदिक प्रवचन और अच्छे सारगर्भित मधुर भजन तो आप देखें और सुनें ही लेकिन इसके साथ में कुछ बच्चों के प्रेरक कार्यक्रम भी इस टी.वी. चैनल पर अवश्य प्रसारित किए जाएं। जैसे कुछ बच्चे अच्छे मधुर भजन गाते हैं, गायत्री मंत्र, विश्वानि देव, संध्या, स्वस्ति वाचन, संगठन सूक्त आदि के मंत्रपाठ करते हैं, कविता पाठ करते हैं तो आप रिकार्ड करवाकर हमें अवश्य भेजें । हम प्रयास करेंगे कि आर्य संदेश टी वी पर आर्य बाल प्रतिभा को दिखाया जाए।जिससे बच्चों का मनोबल बढ़े, उनमें संस्कार पनपें, और उनकी प्रतिभा में निखार आए।

तीसरा निवेदन- यदि आप पूरे परिवार का संध्या पाठ रिकार्ड करके हमें अपने मोबाईल से भेजेंगे। तो हम उसको भी आर्य सन्देश टी.वी. पर प्रेरणा के लिए चलाने का प्रयास करेंगे। अगर छोटे-छोटे बच्चों को घरों में आप गायत्री मंत्र सिखाते हैं, संध्या मंत्र सिखाते हैं, यज्ञ मंत्र सिखाते हैं, ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना के मंत्र सिखाते हैं कुछ बच्चों को भजन सिखाते हैं तो उनको भी आप अच्छे बेग्राउन्ड के साथ में और मोबाईल को चौड़ाई में रख कर रिकार्ड करें। और हमें दिए गए नंबरों पर भेजें, बच्चों के द्वारा स्वरचित अथवा उनकी बोली हुई अच्छी देश-भक्ति की कविताएं, इसके लिए हम बड़े भी अगर अपनी मौलिक कविता की रचना करते हैं तो उनको भी आप रिकार्ड करके हमें भेज सकते हैं। आर्य सन्देश टी.वी पर आपके और आपके बच्चों के सभी वीडियो चलाए जाएंगे। हमारे जो बुजुर्ग महानुभाव हैं वें अपने आर्य समाज से सम्बन्धित विचार, आर्य समाज के इतिहास से जुड़ी महत्वपूर्ण घटना, प्रेरक संस्मरण अपने मोबाईल द्वारा रिकार्ड करके अवश्य भेजें, हम उनके उन विचारों ,घटनाओं संस्मरणों को जिनसे हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी ।

चौथा निवेदन- यदि आपके पास आर्य समाज के इतिहास से सम्बन्धित कुछ अच्छे फोटोग्राफ्स हैं, यदि आपके पास आर्य समाज के ऐतिहासिक बड़े कार्यक्रमों से सम्बन्धित कुछ वीड़ियो हैं या आपने उन कार्यक्रमों के अपने मोबाईल में कुछ अच्छे वीडियो के शॉर्ट्स लिये हों तो कृपया आप उनको भी हमें भेजें। हम आर्य सन्देश टी.वी के एक प्लेटफार्म पर एक प्रोगाम के अंदर आपके द्वारा भेजे गए विड़ियोंस को दिखाएंगे ताकि आपके द्वारा एक वीड़ियो जो आपने कभी इतिहास की दृष्टि से खींचा था, पता चले कि आज वो कितना उपयोगी है, आपकी पसंद को आप भी देखें और सभी को उसका लाभ मिल सके।

आर्य सन्देश आर्य समाज का अपना टी.वी.चैनल है। इसे ज्यादा से ज्यादा सब्सक्राइब करें, ज्यादा से ज्यादा इसका उपयोग करें। कभी कभी आप अवश्य सोचते होंगे कि आर्यसन्देश टी.वी. चैनल को देखने वालों की संख्या बहुत कम है। मैं मान सकता हूं क्योंकि अभी आरंभिक समय है। महाशय धर्मपाल आर्य मीडिया सैंटर द्वारा यह प्रकल्प आरंभ किया गया है। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा और सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के सहयोग से। आप सबके सहयोग से इसे और ज्यादा मजबूब प्लेटफार्म के रूप में बनाया जायेगा। आने वाले समय में यह आर्य संदेश टी वी अपनी अच्छी भूमिका का निर्वाह करेगा ऐसी मुझे पूरी आशा है।

प्रतिष्ठा में,

आर्य सन्देश टी.वी. के इन दिए गए नंबर्स पर अवश्य भेजें, व्याट्स्एप करें या टेलीग्राम करें और साथ ही आर्य सन्देश टी.वी. को सब्सक्राइब करे। ये इस समय वर्तमान में यूट्युब के ऊपर ही उपलब्ध है। केवल युट्यूब के माध्यम से आप इसे अभी देख पाएंगे। इसके लाइव चैनल को आप यूट्यूब पर देख पाएंगे। कुछ ही समय में अन्य माध्यमों से भी ये आर्य सन्देश टी वी आना आरंभ हो जाएगा। तब तक आप सब का साथ हम सबको अपेक्षित है। बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद। *- विनय आर्य, महामन्त्री*

केरल जो कभी वैदिक धर्म का केन्द्र था, वहां गत 100 वर्षों में क्या-क्या घटित हुआ, उन सत्य घटनाओं पर आधारित वीर सावरकर जी का प्रामाणिक उपन्यास अवश्य पढ़ें।

'मोपला'

प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें-
वैदिक प्रकाशन
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
दूरभाष: 23360150, 9540040339

खेद व्यक्त

खेद है कि कोरोना वायरस से उत्पन्न संक्रमण की वैश्विक महामारी के कारण सम्पूर्ण भारत में लागू लॉक डाउन की स्थिति के चलते आर्यसन्देश साप्ताहिक के गत दो अंक प्रकाशित नहीं हो सके हैं। अभी भी लॉक डाउन की स्थिति बनी हुई है। अत: इस यह अंक ई-पत्र के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। कपया घर में रहें - स्वयं स्वस्थ रहें और परिवार के साथ-साथ समाज को भी स्वस्थ बनाए रखने में सहयोग करें।

- सम्पादक

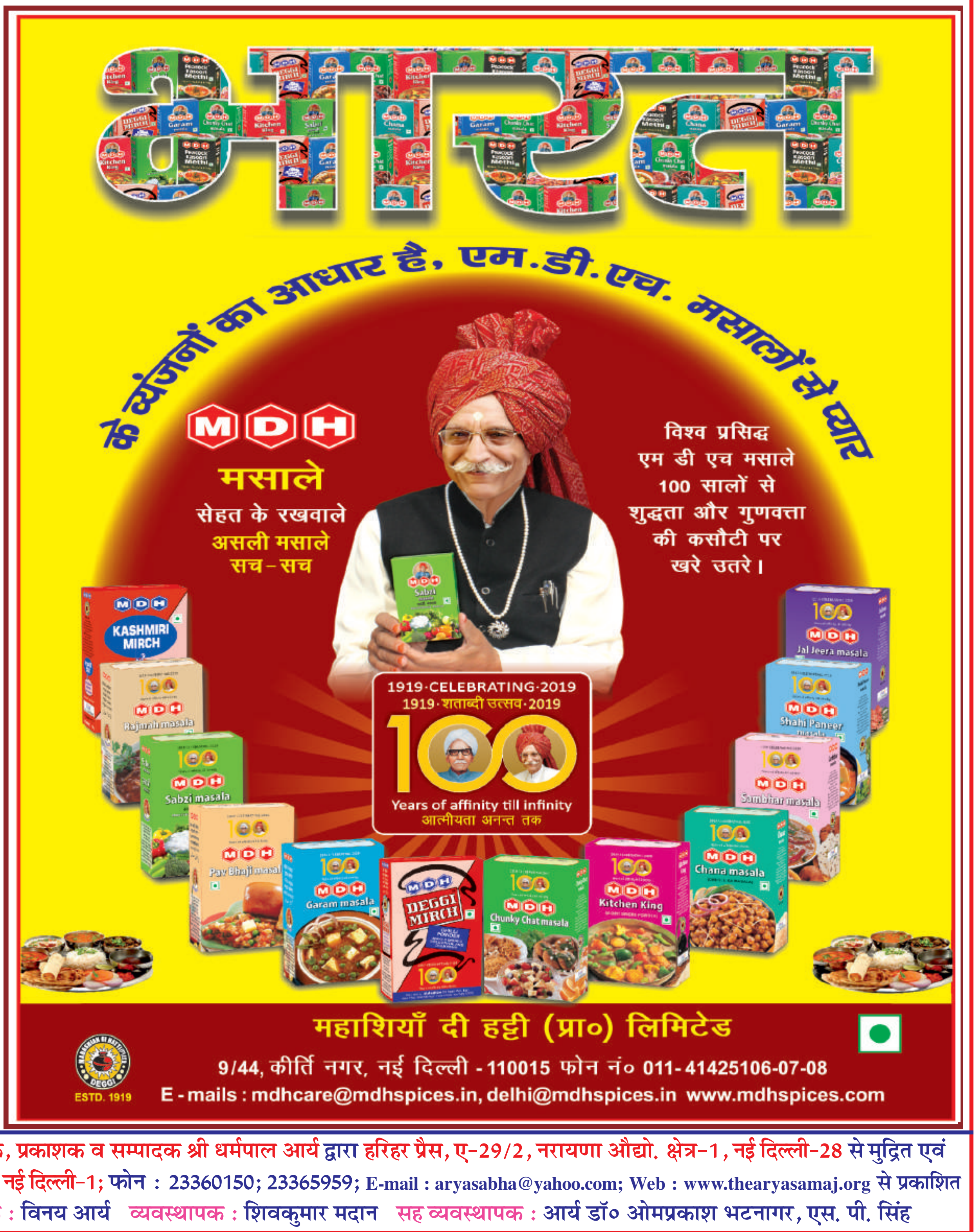

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह